



昨夜星辰

——诗咏河南历史名人

何广才著

中原文化的博大精深和源远流长，特别是那些生于斯、长于斯、奋斗于斯、成就于斯的政治家、军事家、文学家、科学家、艺术家等等，引起了作者强烈的研读兴趣。因为其中的每一个人物，都是一页历史，都是一面镜子，都有一串故事。他们从不同的层面和角度，折射出一时一地的文化现象，共同演绎了中原文化波澜壮阔的历史进程。



郑州大学出版社



6-01-2018-3-300.indd

后记

昨夜星辰

诗咏河南历史名人

才何广
著

中原文化的博大精深和源远流长，特别是那些生于斯、长于斯、奋斗于斯、成就于斯的政治家、军事家、文学家、科学家、艺术家等等，引起了作者强烈的研读兴趣。因为其中的每一个人物，都是一页历史，都是一面镜子，都有一串故事。他们从不同的层面和角度，折射出一时一地的文化现象，共同演绎了中原文化波澜壮阔的历史进程。



郑州大学出版社

图书在版编目(CIP)数据

昨夜星辰:诗咏河南历史名人/何广才著. —郑州:
郑州大学出版社,2008.1
ISBN 978 - 7 - 81106 - 419 - 3

I . 昨… II . 何… III . 诗词 - 作品集 - 中国 - 当代
IV . I227

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2007) 第 203201 号

郑州大学出版社出版发行

郑州市大学路 40 号

出版人:邓世平

全国新华书店经销

河南省联祥印刷厂印制

开本: 787mm × 1 092 mm

邮政编码: 450052

发行部电话: 0371 - 66966070

印张: 22.5

1/16

字数: 282 千字

版次: 2008 年 1 月第 1 版

印次: 2008 年 1 月第 1 次印刷

书号: ISBN 978 - 7 - 81106 - 419 - 3 定价: 56.00 元

本书如有印装质量问题, 请向本社调换



作者简介

何广才,1944年生,河南台前人。山东大学政治系毕业。历任高中教师,县文教局干事,县委办公室副主任、主任,县委常委、副书记,濮阳市地方铁路局党委书记,河南省纪委处长、室主任、常委、秘书长、副书记,省人大常委会委员、选举任免代表联络工委副主任。现任省党建研究会副会长,河南老年诗词研究会副会长。

伏牛葱茏白水清玉山
多才毓英风弱冠留经
学士齋者著作賦動西京
數求能算者多日机缘
可测以而长往天祐他一
鸿伟农律不过太史公

歌行 何彦才著

作者手迹

序

我和广才兄算得上同乡、同事、同志、同道。他任省纪委秘书长时，我任省委秘书长；他任省纪委副书记时，我任省委副书记。时常在一起办文、办会、办事。他温文尔雅，公道正派，博闻强记，文化底蕴厚，文字功夫好，是我的良师益友。我在讲话或者撰文偶尔引用典籍时，一时拿不准、记不清的，还时不时地向他请教。作为长我几岁的兄长，他嘱我为其古体诗集《昨夜星辰》作序，不揣浅陋，姑妄从命。拜读了广才兄咏叹河南历史名人的诗稿，我被作者雄视古今的大气大度和纯熟老到的文笔深深地震撼了。这是作者近年来读书、学史的心得结晶，是作者夜以继日、史海钩沉的累累硕果。

中原文化的博大精深和源远流长，特别是那些生于斯、长于斯、奋斗于斯、成就于斯的政治家、军事家、文

学家、科学家、艺术家等等，引起了作者强烈的研读兴趣。因为其中的每一个人物，都是一页历史，都是一面镜子，都有一串故事。他们从不同的层面和角度，折射出一时一地的文化现象，共同演绎了中原文化波澜壮阔的历史进程。作者从中选出三百二十余位人物，每人以一首短诗咏叹之，且都附有简要的“题注”。从中不难看出作者的良苦用心：激发广大读者以史为鉴，以人为镜，古为今用，为加大中原优势文化开发力度，助推河南由文化大省向文化强省跨越鼓与呼。

先睹为快，回味无穷。我感到这部诗集，在以下几个方面特色鲜明：一是选人注重广泛。历史文化是人民创造的。作者所选列的人物，既有帝王将相、宿儒名士，也有普通士人、农民以及所谓“巫医乐师百工之人”。二是褒贬注重客观。对于书中所列人物，作者坚持用马克思主义唯物史观分析评判其历史功过，突出歌颂主旋律，做到抑恶扬善、激浊扬清。三是语言注重通俗。旧体诗的写作，如何既秉持传统要求，写出一定的意境和韵味，又与现代词语相融通，与新的时代相适应，是个大家都在破解的课题。作者为此作了一些非常有益的探索。四是篇幅注重简约。这是作者在为读者着想。现在大家都忙，生活节奏很快。将每首的篇幅尽量剪裁得简短一些，以期如“小小说”那样，尽量节省读者的时间。作为一名领导干部，尽管写诗只是业余爱好，但词语这等精当，韵律堪比行家，着实难能可贵，值得称道。

以上是我初读诗稿的点滴体会，权为序。

王金书

2007. 8. 1.

自
录
MULU

序 王全书(1)

先秦篇



| | |
|---------|------|
| 太昊 | (3) |
| 黄帝 | (4) |
| 大禹 | (5) |
| 比干 | (6) |
| 共伯和 | (7) |
| 孙叔敖 | (8) |
| 卜商 | (9) |
| 范蠡 | (10) |
| 老子 | (11) |
| 子产 | (12) |
| 许穆夫人 | (13) |
| 墨子 | (14) |
| 鬼谷子(王禅) | (15) |
| 韩非 | (16) |
| 庄子 | (17) |
| 惠施 | (18) |



| | |
|-------|------|
| 商鞅 | (19) |
| 申不害 | (20) |
| 苏秦 | (21) |
| 白圭 | (22) |
| 严遂 | (23) |
| 聂政 | (24) |
| 尉缭 | (25) |
| 吕不韦 | (26) |
| 陈胜·吴广 | (27) |
| 李斯 | (28) |
| 周文 | (29) |



两汉篇



| | |
|-----|------|
| 酈食其 | (33) |
| 酈商 | (34) |
| 张良 | (35) |
| 陈平 | (36) |
| 灌婴 | (37) |
| 申屠嘉 | (38) |
| 贾谊 | (39) |
| 晁错 | (40) |
| 剧孟 | (41) |
| 郭解 | (42) |
| 桑弘羊 | (43) |
| 孔仅 | (44) |
| 卜式 | (45) |
| 张苍 | (46) |
| 张释之 | (47) |
| 栾布 | (48) |
| 韩安国 | (49) |
| 汲黯 | (50) |
| 黄霸 | (51) |
| 张禹 | (52) |





| | |
|---------|------|
| 翟方进 | (53) |
| 褚少孙 | (54) |
| 戴圣 · 戴德 | (55) |
| 桓宽 | (56) |
| 樊并 | (57) |
| 郑当时 | (58) |
| 京房 | (59) |
| 邓禹 | (60) |
| 邓晨 | (61) |
| 冯异 | (62) |
| 铫期 | (63) |
| 祭遵 | (64) |
| 岑彭 | (65) |
| 来歙 | (66) |
| 王常 | (67) |
| 侯霸 | (68) |
| 杜诗 | (69) |
| 郑兴 · 郑众 | (70) |
| 吴汉 | (71) |
| 贾复 | (72) |
| 郭躬 | (73) |
| 袁安 | (74) |
| 邓骘 | (75) |
| 杜乔 | (76) |
| 张衡 | (77) |
| 李膺 | (78) |
| 许劭 | (79) |
| 许扬 | (80) |
| 许慎 | (81) |
| 陈寔 | (82) |
| 陈蕃 | (83) |
| 荀爽 | (84) |
| 荀悦 | (85) |
| 杜密 | (86) |
| 范滂 | (87) |



| | |
|---------|-------|
| 尹敏 | (88) |
| 贾彪 | (89) |
| 樊重 | (90) |
| 樊儼 | (91) |
| 左雄 | (92) |
| 周举 | (93) |
| 张仲景 | (94) |
| 刘德昇 | (95) |
| 史弼 | (96) |
| 任延 | (97) |
| 董宣 | (98) |
| 仇览 | (99) |
| 蔡邕 | (100) |
| 蔡琰 | (101) |
| 袁绍 · 袁术 | (102) |
| 毛玠 | (103) |
| 阮瑀 | (104) |
| 徐庶 | (105) |
| 任峻 | (106) |
| 郭嘉 | (107) |
| 司马徽 | (108) |
| 应玚 | (109) |
| 荀彧 | (110) |
| 诸葛亮 | (111) |
| 荀攸 | (112) |
| 黄忠 | (113) |

魏晋南北朝篇

| | |
|-----|-------|
| 和洽 | (117) |
| 陈群 | (118) |
| 司马懿 | (119) |
| 司马芝 | (120) |
| 文聘 | (121) |



| | | |
|-------|-------|-------|
| 杜夔 | | (122) |
| 钟繇 | | (123) |
| 韩暨 | | (124) |
| 何晏 | | (125) |
| 应璩 | | (126) |
| 阮籍 | | (127) |
| 王弼 | | (128) |
| 朱士行 | | (129) |
| 邓芝 | | (130) |
| 费祎 | | (131) |
| 杨泉 | | (132) |
| 邓艾 | | (133) |
| 荀勗 | | (134) |
| 山涛 | | (135) |
| 王浚(濬) | | (136) |
| 阮咸 | | (137) |
| 向秀 | | (138) |
| 和峤 | | (139) |
| 潘岳 | | (140) |
| 司马彪 | | (141) |
| 潘尼 | | (142) |
| 郭象 | | (143) |
| 周顥 | | (144) |
| 干宝 | | (145) |
| 庾亮 | | (146) |
| 支道林 | | (147) |
| 谢安 | | (148) |
| 袁宏 | | (149) |
| 谢玄 | | (150) |
| 谢道韫 | | (151) |
| 朱序 | | (152) |
| 谢混 | | (153) |
| 李充 | | (154) |
| 宗炳 | | (155) |
| 谢灵运 | | (156) |



| | |
|-----|-------|
| 谢惠连 | (157) |
| 范晔 | (158) |
| 袁淑 | (159) |
| 宗慤 | (160) |
| 袁粲 | (161) |
| 谢庄 | (162) |
| 谢朓 | (163) |
| 庾肩吾 | (164) |
| 江总 | (165) |
| 张子信 | (166) |
| 江淹 | (167) |
| 范缜 | (168) |
| 钟嵘 | (169) |
| 阮孝绪 | (170) |
| 庾信 | (171) |



隋 唐 五 代 篇



| | |
|------|-------|
| 王贞 | (175) |
| 董柏仁 | (176) |
| 元景山 | (177) |
| 赵轨 | (178) |
| 智𫖮 | (179) |
| 韩擒虎 | (180) |
| 贺若弼 | (181) |
| 翟让 | (182) |
| 傅奕 | (183) |
| 褚亮 | (184) |
| 长孙无忌 | (185) |
| 褚遂良 | (186) |
| 娄师德 | (187) |
| 朱敬则 | (188) |
| 徐有功 | (189) |
| 玄奘 | (190) |





| | |
|------|-------|
| 上官仪 | (191) |
| 上官婉儿 | (192) |
| 刘仁轨 | (193) |
| 杜审言 | (194) |
| 姚崇 | (195) |
| 沈佺期 | (196) |
| 宋之问 | (197) |
| 刘希夷 | (198) |
| 张说 | (199) |
| 吴道子 | (200) |
| 吴兢 | (201) |
| 李延寿 | (202) |
| 一行 | (203) |
| 杜甫 | (204) |
| 张巡 | (205) |
| 孟云卿 | (206) |
| 张谓 | (207) |
| 梁肃 | (208) |
| 刘禹锡 | (209) |
| 元结 | (210) |
| 王建 | (211) |
| 元稹 | (212) |
| 姚合 | (213) |
| 李贺 | (214) |
| 祖咏 | (215) |
| 韩翃 | (216) |
| 李颀 | (217) |
| 韩愈 | (218) |
| 崔颢 | (219) |
| 王丘 | (220) |
| 杜暹 | (221) |
| 崔曙 | (222) |
| 韦承庆 | (223) |
| 房琯 | (224) |
| 卢怀慎 | (225) |





| | |
|--------|-------|
| 岑参 | (226) |
| 刘方平 | (227) |
| 王湾 | (228) |
| 贾至 | (229) |
| 独孤及 | (230) |
| 李商隐 | (231) |
| 大历“三杨” | (232) |
| 杨敬之 | (233) |
| 武元衡 | (234) |
| 郑虔 | (235) |
| 郑畋 | (236) |
| 马殷 | (237) |
| 王建 | (238) |
| 王审知 | (239) |
| 高季兴 | (240) |
| 景延广 | (241) |
| 郭忠恕 | (242) |
| 陈抟 | (243) |
| 李九龄 | (244) |



宋 辽 金 元 篇



| | |
|-----|-------|
| 张昭 | (247) |
| 刘熙古 | (248) |
| 沈义伦 | (249) |
| 魏仁浦 | (250) |
| 薛居正 | (251) |
| 赵普 | (252) |
| 王审琦 | (253) |
| 吕蒙正 | (254) |
| 向敏中 | (255) |
| 丁度 | (256) |
| 宋庠 | (257) |
| 魏野 | (258) |



| | | |
|---------|-------|-------|
| 石延年 | | (259) |
| 武宗元 | | (260) |
| 宋祁 | | (261) |
| 尹洙 | | (262) |
| 富弼 | | (263) |
| 韩琦 | | (264) |
| 宋迪 | | (265) |
| 程颢 · 程颐 | | (266) |
| 邵雍 | | (267) |
| 郭熙 | | (268) |
| 谢良佐 | | (269) |
| 贺铸 | | (270) |
| 李邦彦 | | (271) |
| 种师道 | | (272) |
| 岳飞 | | (273) |
| 岳云 | | (274) |
| 岳珂 | | (275) |
| 牛皋 | | (276) |
| 韩侂胄 | | (277) |
| 史达祖 | | (278) |
| 康与之 | | (279) |
| 陈与义 | | (280) |
| 朱敦儒 | | (281) |
| 韩元吉 | | (282) |
| 张子和 | | (283) |
| 郑廷玉 | | (284) |
| 姚枢 | | (285) |
| 许衡 | | (286) |
| 王恽 | | (287) |
| 姚燧 | | (288) |
| 高兴 | | (289) |
| 许有壬 | | (290) |
| 宫天挺 | | (291) |
| 钟嗣成 | | (292) |
| 朱德润 | | (293) |



明 清 篇



| | |
|-----|-------|
| 宋讷 | (297) |
| 张玉 | (298) |
| 铁铉 | (299) |
| 马文升 | (300) |
| 高拱 | (301) |
| 郭朴 | (302) |
| 曹端 | (303) |
| 刘健 | (304) |
| 张三锡 | (305) |
| 王廷相 | (306) |
| 刘通 | (307) |
| 王越 | (308) |
| 张路 | (309) |
| 何塘 | (310) |
| 何景明 | (311) |
| 李梦阳 | (312) |
| 朱载堉 | (313) |
| 卢柟 | (314) |
| 卢镗 | (315) |
| 李濂 | (316) |
| 吕坤 | (317) |
| 杨东明 | (318) |
| 史可法 | (319) |
| 王铎 | (320) |
| 侯方域 | (321) |
| 汤斌 | (322) |
| 张伯行 | (323) |
| 冉觐祖 | (324) |
| 李海观 | (325) |
| 宋荦 | (326) |
| 武亿 | (327) |
| 吴其浚 | (328) |